आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 18.02.2026 समय : 0705

<><><><><><><><>

- केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने इस वर्ष से लागू दसवीं की नई बोर्ड परीक्षा योजना के तहत पात्रता नियमों पर आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी किया है।
- मध्योत्तर अंडमान में वन स्टॉप सेंटर में प्री–मैरिटल कम्युनिकेशन सेंटर का उद्घाटन।
- बिजली विभाग की ओर से पुनरुत्थान वितरण क्षेत्र योजना के तहत कल से स्मार्ट मीटर पखवाड़ा मनाया जाएगा।
- अंडमान निकोबार पुस्तक मेला– 2026 में कल होगा विशेष 'काव्य संध्या' का आयोजन।

<><><><><><><><>

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने इस वर्ष से लागू दसवीं की नई बोर्ड परीक्षा योजना के तहत पात्रता नियमों पर आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी किया है। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि पहली बोर्ड परीक्षा में शामिल होना सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है। यदि कोई छात्र पहली परीक्षा में तीन या उससे अधिक विषयों में अनुपस्थित रहता है, तो वह दूसरी परीक्षा के लिए पात्र नहीं होगा। ऐसे छात्रों को "अनिवार्य पुनरावृत्ति" श्रेणी में रखा जाएगा और वे संबंधित विषयों की परीक्षा अगले वर्ष फरवरी में होने वाली मुख्य परीक्षा में ही दे सकेंगे। पहली परीक्षा पास कर चुके छात्र, जो अपने अंक सुधारना चाहते हैं, "सुधार" श्रेणी के तहत अधिकतम तीन मुख्य विषयों–विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं–में दोबारा परीक्षा दे सकते हैं। पहली परीक्षा में किसी एक विषय में अनुत्तीर्ण छात्र "कम्पार्टमेंट" श्रेणी के अंतर्गत दूसरी परीक्षा देकर उस विषय को उत्तीर्ण कर सकते हैं। इसके अलावा, जो छात्र उत्तीर्ण हो चुके हैं लेकिन अपने पूरे परिणाम में सुधार के लिए किसी विषय को बदलना चाहते हैं, उन्हें भी दूसरी परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाएगी।

<><><><><><><><>

मध्योत्तर अंडमान के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट एस. कृष्ण चैतन्य ने वन स्टॉप सेंटर में प्री–मैरिटल कम्युनिकेशन सेंटर का उद्घाटन किया। यह केंद्र राष्ट्रीय महिला आयोग की एक पहल है, जिसका लक्ष्य युवा जोड़ों के बीच स्वस्थ संबंधों को बढ़ावा देना, पारिवारिक खुशहाली को मजबूत करना, घरेलू हिंसा को रोकना है। यह केन्द्र जोड़ों को विवाह पूर्व परामर्श के लिए एक सुरक्षित और सुलभ मंच प्रदान करता है।

केन्द्र में विवाह पूर्व परामर्श, रिश्तों और आपसी तालमेल के लिए मार्गदर्शन, पारिवारिक और कानूनी जागरूकता, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक सहायता और आवश्यकता पड़ने पर रेफरल सेवाएँ प्रदान की जाएगी। जिला प्रशासन, ने युवा जोड़ों और व्यक्तियों से इन सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

<><><><><><><>

पुलिस की अपराध एवं आर्थिक अपराध शाखा ने श्री विजयपुरम में सक्रिय एक संगठित हनी ट्रैप और जबरन वसूली नेटवर्क के संबंध में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को मिली शिकायत के अनुसार, पीड़ित एक क्वैक क्वैक डेटिंग ऐप के माध्यम से एक महिला के संपर्क में आया था। आरोपियों ने उसे झूठे आपराधिक मामले में फंसाने और सार्वजनिक रूप से बदनाम करने की धमकी देकर 50,000 रूपये यूपीआई के माध्यम से ट्रांसफर करवाए। इस मामले पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन महिलाओं सहित एक पुरूष आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इन सभी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 की संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। वित्तीय लेनदेन और डिजिटल साक्ष्यों की जांच जारी है। पुलिस ने लोगों से सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अज्ञात व्यक्तियों से बातचीत करते समय सावधानी बरतने की सलाह दी है। पुलिस ने आम लोगों से कहा कि यदि कोई अन्य व्यक्ति भी इस तरह के हनी ट्रैप, ब्लैकमेलिंग या ऑनलाइन जबरन वसूली का शिकार हुआ है, तो वे संबंधित थाने में शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

<><><><><><><>

बिजली विभाग की ओर से पुनरुत्थान वितरण क्षेत्र योजना के तहत स्मार्ट मीटर पखवाड़ा मनाया जाएगा। इस अभियान के दौरान कल से 23 फरवरी तक विभिन्न स्थानों पर जागरूकता शिविर और सार्वजनिक संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शिविर में प्रीपेड स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली और इसके लाभ, रीचार्ज प्रक्रिया और उपलब्ध भुगतान विकल्प, बिजली की खपत पर नजर रखने के लिए मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग के बारे में जानकारी के साथ उपभोक्ताओं की शंकाओं और शिकायतों का निवारण भी किया जाएगा। विद्युत विभाग ने सभी उपभोक्ताओं से इन जागरूकता शिविरों में भाग लेने की अपील की है।

<><><><><><><>

कला एवं संस्कृति विभाग की ओर से अंडमान निकोबार पुस्तक मेला– 2026 के साहित्यिक सत्र के हिस्से के रूप में कल एक विशेष 'काव्य संध्या' का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम शाम साढ़े छः बजे पुस्तक मेला परिसर में आयोजित होगा। इसमें द्वीप समूह के सभी स्थानीय कवि किसी भी भाषा में अपनी मौलिक काव्य

रचनाएँ साझा कर सकते हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और समुदाय में रचनात्मकता को बढ़ावा देना है। इच्छुक स्थानीय कवि कला संस्कृति विभाग के सुजीत कुमार रॉय से संपर्क कर सकते हैं।

<><><><><><><>

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के तहत शाखा एमएसएमई–विकास और सुविधा कार्यालय, श्री विजयपुरम की ओर से स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। भातूबस्ती में आयोजित होने वाला यह 30 दिवसीय ब्यूटी पार्लर पर उद्यमिता–सह–कौशल विकास कार्यक्रम कल से शुरू होगा। इसमें 18 से अधिक आयु वर्ग के प्रतिभागी पहले आओ–पहले पाओ के आधार पर पंजीकरण करा सकते हैं, जबकि कुल सीटों में से कम से कम 40 सीटें अनुसूचित जनजाति उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं। महिला, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग और बीपीएल उम्मीदवारों के लिए यह प्रशिक्षण निशुल्क है। अन्य पिछड़ा वर्ग और सामान्य श्रेणी के पुरुष उम्मीदवार के लिए 200 रूपये का शुल्क निर्धारित किया गया है। इच्छुक उम्मीदवार दिए गए कोड को स्कैन करके ऑनलाइन आवेदन पत्र भर सकते हैं।

<><><><><><><>

उद्योग विभाग के विस्तार केंद्र, डिगलीपुर की ओर से हस्तशिल्प–नारियल खोल पर आधारित 15 दिवसीय अल्पकालिक कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय युवाओं और कारीगरों को नारियल के खोल से हस्तशिल्प बनाने का बुनियादी कौशल और तकनीकी ज्ञान प्रदान करना था, ताकि स्वरोजगार को बढ़ावा मिले और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत हो सके। कार्यक्रम में कुल 15 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

<><><><><><><>

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ‘कायाकल्प योजना’ के तहत हाल ही में जी.बी. पंत अस्पताल में एक औषधीय पौधरोपण अभियान आयोजित किया गया। इस अभियान में मरीजों, अस्पताल के कर्मचारियों और समुदाय के सदस्यों ने ‘जन भागीदारी’ पहल के तहत भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान मरीजों और उनके परिजनों को व्यक्तिगत स्वच्छता और साफ–सफाई के महत्व के बारे में बताया गया। अस्पताल प्रबंधन ने सभी नागरिकों, सामुदायिक समूहों और स्थानीय संगठनों से कायाकल्प और जन भागीदारी कार्यक्रमों के

तहत ऐसी सार्थक पहलों में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की है। इच्छुक व्यक्ति या संगठन अधिक जानकारी और समन्वय के लिए कायाकल्प के नोडल अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

<><><><><><><><>

ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार की दिशा में कदम उठाते हुए ग्रामीण विकास निदेशक डॉ. अपूर्व शर्मा ने ग्राम पंचायत कन्यापुरम में पंचायत भवन के निर्माण की आधारशिला रखी। तीन करोड़ तेईस लाख तिरसठ हजार नौ सौ एक रुपये की लागत से बनने वाले इस भवन के लिए 0.80 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है। परियोजना को निर्धारित समय के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर निदेशक ने कहा कि नया पंचायत भवन सरकारी सेवाओं और ग्रामीण सशक्तिकरण के केंद्र के रूप में कार्य करेगा। यह भवन प्रशासनिक गतिविधियों और सार्वजनिक बैठकों के लिए एक केंद्रीय हब होगा। आधुनिक बुनियादी ढांचे से लैस यह भवन स्थानीय शासन में पारदर्शिता, दक्षता और सुगमता को बढ़ावा देगा।

<><><><><><><><>